28/4/26

पत्रावली पेश हुई। वकील वादी अनु०। वादी को एक-एककर तीन बार आवाजें लगवायी गई, परन्तु शाम 5 बजे तक न तो वादी और न ही उनकी ओर से कोई प्लीडर उप० हुआ। अत: पत्रावली को अदम हाजरी, अदम पैरवी में खारिज किये जाने के आदेश प्रदान किये जाते हैं। पत्रावली फैसल शुमार होकर, रज० नम्बर से कम होकर, दाखिल दफ्तर हो।